लड़कियाँ

असग़र वजाहत

लड़कियां

(1)

श्यामा की जली हुई लाश जब उसके पिता के घर पहुंची तो बड़ी भीड़ लग गई। इतनी भीड़ तो उसकी शादी में विदाई के समय भी नहीं लगी थी। श्यामा की बहनों की हालत अजीब थी क्योंकि वे कुंवारी थीं। श्यामा की मां लगातार रोए जा रही थी। रिश्तेदार उसे दिलासा भी क्या देते। श्यामा के पिता जली हुई श्यामा को देख रहे थे। उनकी आंखों से आंसू बहे चले जा रहे थे। श्यामा का पति और देवर पास खड़े थे। श्यामा के पति ने श्यामा के पिताजी से कहा–''पापा, आप रोते क्यों हैं...श्यामा को विदा करते समय आपने ही तो कहा था कि बेटी तुम्हारी डोली इस घर से जा रही है, अब तुम्हारी ससुराल से तुम्हारी अर्थी ही निकले।'' देवर बोला–''चाचा जी श्यामा ने आपकी इच्छा जल्दी ही पूरी कर दी।''

श्यामा के ससुर जी बोले–''बेकार समय न बर्बाद करो। अब यहां तमाशा न लगाओ। चलो जल्दी क्रिया-करम कर दिया जाए।''

(2)

श्यामा की जली हुई लाश थाने पहुंची तो वहां पहले से ही दो नवविवाहित लड़कियों की जली हुई लाशें रखी थीं। थाने में शांति थी। पीपल के पत्ते हवा में खड़खड़ा रहे थे और जीप का इंजन लंबी-लंबी सांसें ले रहा था। दरोगा जी को खबर की गई तो वे पूजा इत्यादि करके बाहर निकले और श्यामा की जली लाश को देखकर बोले-''यार ये लोग एक दिन में एक ही लड़की को जलाकर मारा करें। एक दिन में तीन-तीन लड़कियों की जली लाशें आती हैं। कानूनी कार्यवाही भी ठीक से नहीं हो पाती।''

सिपाही बोला-''सरकार इससे तो अच्छा लोग हमारे गांव में करते हैं। लड़कियों को पैदा होते ही पानी में डुबोकर मार डालते हैं।'' दरोगा बोले–''ईश्वर सभी को सद्बुद्धि दे।''

(3)

श्यामा की लाश अदालत पहुंची। जब सबके बयान हो गए तो श्यामा की जली लाश उठकर खड़ी हो गई और बोली–''जज साहब, मेरा बयान दर्ज किया जाए।''

श्यामा के पति का वकील बोला–''मी लार्ड, ये हो ही नहीं सकता। जली हुई लड़की बयान कैसे दे सकती है!''

पेशकार बोला –''सरकार यह तो गैर-कानूनी होगा।''

क्लर्क बोला –''हजूर, ऐसा होने लगा तो कानून-व्यवस्था का क्या होगा?''

श्यामा ने कहा –''मेरा बयान दर्ज किया जाए।''

अदालत ने कहा –''अदालत तुम्हारा बयान दर्ज नहीं कर सकती क्योंकि तुम जलकर मर चुकी हो।''

श्यामा ने कहा –''दूसरी लड़कियां तो जिंदा हैं।''

अदालत ने कहा –''ये तुम लड़कियों की बात कहां से निकाल बैठी।''

(4)

श्यामा की जली लाश जब अखबार के दफ्तर पहुंची तो नाइट शिफ्ट का एक सब-एडीटर मेज पर सिर रखे सो रहा था। श्यामा ने उसका कंधा पकड़कर जगाया तो वह आंखें मलता